राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 565
चंडकाल की वापसी
सुपर कमांडो ध्रुव
मुफ्त
ध्रुव का
एक पोस्टर
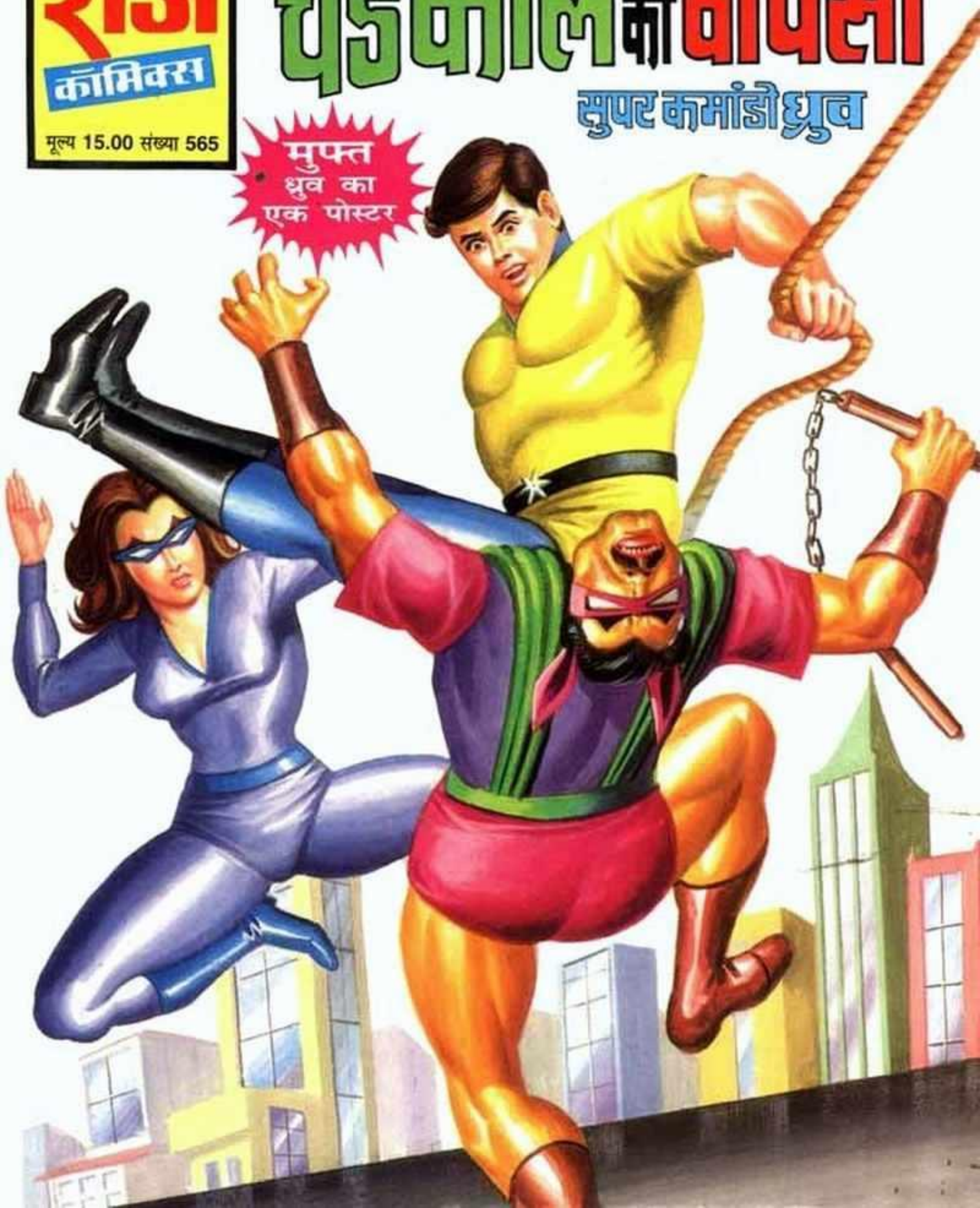
प्रस्तावना

चंडकाल– राक्षस जाति का आखिरी वंशज ! वह पृथ्वी पर राक्षसराज की फिर से स्थापना करने निकला तो जा टकराया किरीगी से, देव-जाति के धनंजय से और सुपर कमांडो ध्रुव से !
इस भिड़ंत का एक ही नतीजा होना था, और वह था चंडकाल की शिकस्त —☆
चंडकाल को देवजाति वालों ने समुद्र के तल में बसी स्वर्ण नगरी में कैद कर लिया ! कुछ समय के लिए लगा कि चंडकाल नाम का खतरा खत्म हो गया है !
लेकिन खतरा तो मौके का इंतजार कर रहा था !
चंडकाल खुद तो नहीं भाग पाया ! लेकिन उसके मानसरूप को भागने से नहीं रोक पाए स्वर्ण नगरी के वासी —
चंडकाल के मानसरूप ने कब्जा कर लिया यक्षों के रक्षक और पवित्र ज्वाला के पहरेदार, शक्तिशाली सामरी के शरीर पर —☆
अब चंडकाल ने महामानव के मस्तिष्क पर कब्जा करने की कोशिश की –
उसको मानसिक ऊर्जा का एक तेज झटका लगा –
और चंडकाल का मानसरूप दुनिया के कोने कोने में बिखर गया —
लेकिन दो सौ करोड़ साल की आयु वाले और असीमित मानसिक शक्तियों के स्वामी 'महामानव' ने चंडकाल को, सामरी का शरीर छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया —
अब बचा था तो सिर्फ चंडकाल का शरीर –
जिन्दा, सांस लेता मगर बगैर दिमाग का शरीर !
और स्वर्ण नगरी के देवों के लिए यह उत्सव की घड़ी थी !
पूरी स्वर्णनगरी, चंडकाल के शरीर को देखने के लिए बेताब थी !
☆ पढ़िए 'किरीगी का कहर' और 'सामरी की ज्वाला'

स्वर्णनगरी– देवजाति की नगरी– अत्याधुनिक तकनीक का एक आश्चर्यजनक शहर–
समुद्र के तल में स्थित– अदृश्य किरणों से ढका हुआ! मानव निगाहों से छिपा हुआ–
मानवों पर देव जाति को अधिक विश्वास नहीं है! लेकिन उनकी आज की ये खुशी, एक मानव की ही देन है– 'सुपर कमांडो ध्रुव' की।
पूरी स्वर्ण नगरी, राक्षस जाति के आखिरी वंशज चंडकाल का शरीर देखने के लिए उमड़ी पड़ रही है, ध्रुव!
इसके शरीर को तीन दिनों से प्रदर्शन के लिए रखा हुआ है! फिर भी भीड़ कम नहीं हो रही है!
इसके शरीर को ऐसे खुले में रखना खतरनाक हो सकता है, धनंजय! इसकी सांस अभी भी चल रही है।
लेकिन इसके शरीर में हरकत नहीं है, ध्रुव! क्योंकि तुमने महामानव के हाथों इसके मानस रूप को खत्म करा दिया है!
इसका मानसरूप टुकड़े-टुकड़े होकर पूरी दुनिया में बिखर गया है। इसका शरीर तो है, लेकिन दिमाग बेकार हो गया है!
और बिना दिमाग के शरीर बेकार होता है! घबराओ मत...
अब कभी भी नहीं हो सकती है...
चंडकाल की वापसी
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
सम्पादक: मनीष गुप्ता

टोकियो- जापान की राजधानी!
वह धरती, जिसने जूडो-कराटे जैसी घातक कलाओं को जन्म दिया।
और इन कलाओं को जानने वाले महारथी आज के युग में भी मौजूद हैं। जैसे —
ग्रेट नानाचाकु! आप जूडो-कराटे और ताइक्वांडो जैसी कलाओं की वे ऊंचाइयां छू चुके हैं, जहां तक पहुंचने की कोई सोच भी नहीं सकता!
लोग तो यहां तक कहते हैं कि आप एक ही वार में, स्टील की मोटी चादर में भी छेद कर सकते हैं! क्या यह सच है?
सच तो है! और मैं इसका प्रदर्शन करके भी आप लोगों को दिखा सकता हूं।
लेकिन यह हमेशा याद रखिए कि ये घातक कलाएं सिर्फ आत्मसुरक्षा के लिए हैं।
जो भी इस कला का दुरुपयोग, अपने स्वार्थ या दूसरों की जान लेने के लिए करते हैं, वे महापापी हैं।
और ऐसे लोगों का वही हाल होना चाहिए, जो मैंने इस स्टील की चादर का किया है!
कड़ाम
कमाल है! कमाल है! आंखों पर यकीन नहीं होता!
यानी-यानी इससे तो आदमी की जान बड़े आराम से ली जा सकती है।
क्यों नहीं? क्यों नहीं?
इसका भी प्रदर्शन करके मैं आपको दिखाता हूं!
ये देखिए!
टक
एक झटके में गर्दन टूट-कर हवा में उड़ गई —

पकड़ो! वह भाग रहा है!
लेकिन... लेकिन नानाचाकु ने ऐसा क्यों किया? उन्होंने तो आज तक किसी मक्खी तक की जान नहीं ली थी!
लेकिन नानाचाकु, हवा हो चुका था –
लेकिन नानाचाकु ने ऐसा किया क्यों?
और वह भागकर जा कहां रहा है?
आज वह सब, उसने एक झटके में बराबर कर दिया!
अब वह बचकर नहीं जा पाएगा!
ऐसा ही एक घटनाचक्र फिलिस्तीन में भी चल रहा था –
अपने देश की आज़ादी के लिए मेरी जान भी हाजिर है।
लेकिन तुमने अकेले, दुश्मन के तीन सौ इक्यावन सैनिकों को कैसे मौत के घाट उतार दिया?
खुदा के फजल से हमको आजादी हासिल हो ही गई। और इसमें हमारी गुरिल्ला फोर्स की चीफ 'अल-किल' का, यानी तुम्हारा सबसे बड़ा हाथ है।
ऐसे!
तड़ तड़ तड़
आह!

'अलकिल' की 'क्लाश्निकोव रायफल' बिना रुके शोले उगलती रही—

और जब तक कोई उसको रोक पाता—

वह आसमान में थी—
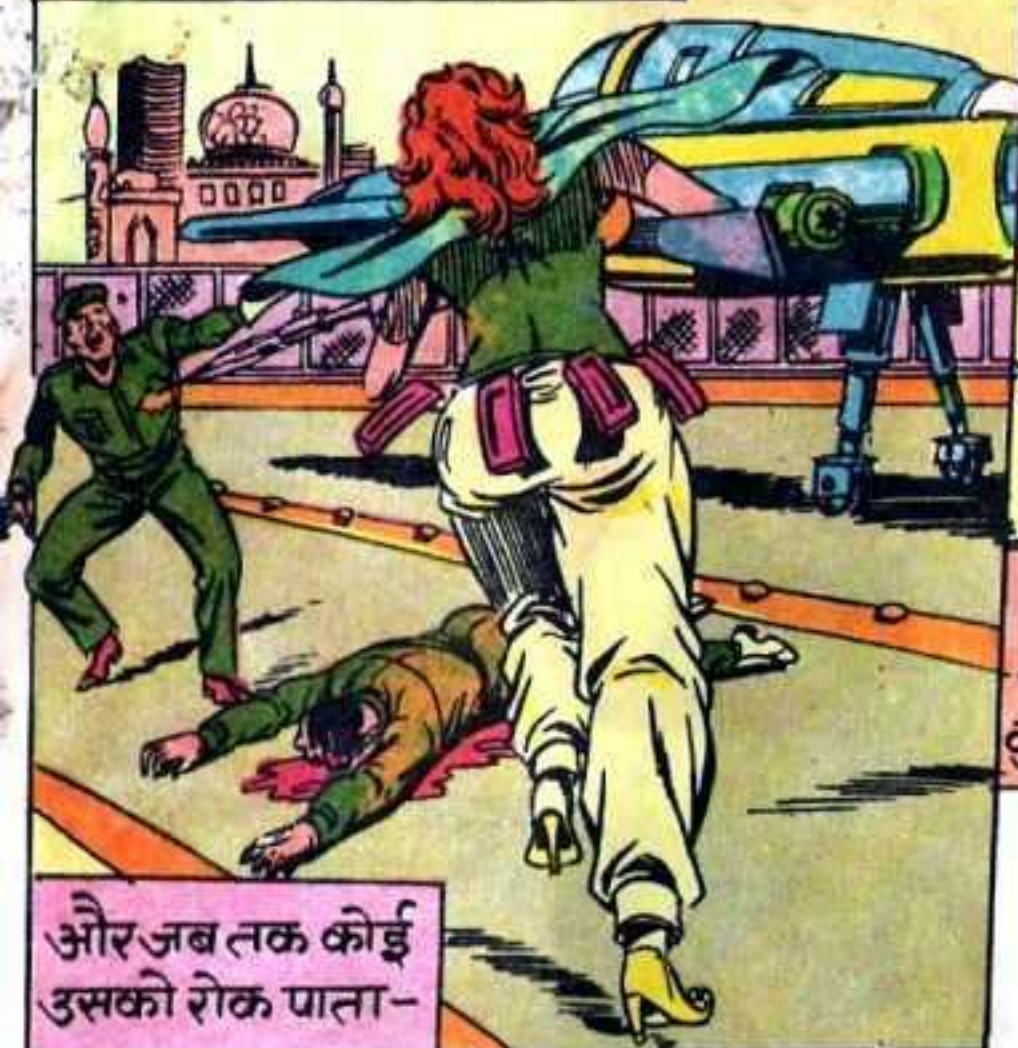
या खुदा ! 'अलकिल' जैसी नेक लड़की को यह अचानक क्या हो गया ?

और इसी दौरान— अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर— कुवैत के समुद्र तट के पास—

ओ गॉड ! तैराकी अभ्यास के दौरान बाकी सभी नौसैनिक तो पोत तक पहुंच चुके हैं।

लेकिन टोनी शार्कों के बीच में फंस गया है !

U.S. NAVY

हम गोले भी नहीं दाग सकते ! क्योंकि वे टोनी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अब हम क्या...

डाइविल, तुम क्या कर रहे हो ?

घबराइए मत, सर ! टोनी को कुछ नहीं होगा !

डाइविल— अमेरिकी नौसेना का सबसे जांबाज गोताखोर ! दूसरों के लिए अपनी जान बाजी पर लगा देने वाला शख्स—

ऐसी स्थिति में भी— जब उसके पास सिर्फ एक हारपून हो— और एक चाकू हो—

- और शार्कों की तादाद बेशुमार हो -
पहला हारपून अपना निशाना पा गया।
ठक
ईं चं
और अगले ही पल -
अरे! अरे! डाइविल ने टोनी को शार्कों के बीच में फेंक दिया है!
नहीं! ऐसा नहीं हो सकता! डाइविल ऐसा नहीं कर सकता! तुमको भ्रम हुआ है!
लेकिन ऐसा ही था -
एक शार्क टोनी को अपना आहार बना चुकी थी।
और दूसरी शार्क, डाइविल की तरफ लपक रही थी!
अगले ही पल-शार्क का जबड़ा दो मजबूत हाथों के शिकंजे में था।
खड़ंचं
और उसका शरीर चिरता जा रहा था।
शार्कें डाइविल को भूलकर अपने ही साथी पर झपट पड़ीं -
गर्रर्रर्र ईयांच
और डाइविल वापस युद्धपोत की तरफ मुड़ चला -

डाइविल, तुमने यह क्या किया ? टोनी को शार्कों के बीच में फेंक दिया !
आखिर क्यों ?
डाइविल का मुंह खुला-और नुकीले दांतों के पीछे से एक अट्टहास गूंज उठा-
न जाने कैसे, पूरे वातावरण की हवा विषैली होती चली गई-
हा हा हा हा हा हा हा
और, पूरे युद्धपोत पर तैनात सभी सैनिक एवं कर्मचारी बेहोशी की आगोश में समा गए।
कुछ देर बाद- जब युद्धपोत भारत के तट की तरफ बढ़ा तो सभी कर्मचारियों और सैनिकों के बेहोश शरीर समुद्र में तैर रहे थे।
सिवाय डाइविल के-
U.S. NAVY
स्वर्ण नगरी में- दो दिनों बाद-
आज हमने राक्षस जाति पर पूर्णरूप से विजय प्राप्त कर ली है, ध्रुव !
और यह सिर्फ तुम्हारे ही कारण संभव हो सका है।
इसीलिए तो हमने इस शुभ अवसर पर इनको ही अपना मुख्य अतिथि बनाया था।
यह आप लोगों का बड़प्पन था ! आप लोगों ने मुझे इतनी इज्जत दी ! अब मुझे जाने की इजाजत भी दीजिए !

विदा, ध्रुव! उम्मीद करता हूं कि हमारी मुलाकात जल्दी ही होगी!
'जल्दी' का मौका कम ही है, धनंजय! राजनगर में काफी काम जमा हो गया होगा!
ध्रुव राजनगर तट के एक सुनसान इलाके में निकला-
और निकलते ही ठिठककर रुक गया-
मोटरबोट! इतनी रात को यह मोटरबोट यहां क्या कर रही है?
लेकिन इसमें तो कोई भी नहीं है!
इसका इंजन अभी तक काफी गर्म है। यानी मोटरबोट को यहां पर आए ज्यादा समय नहीं हुआ है!
और इसमें जो कोई भी आया है, अभी ज्यादा दूर नहीं गया होगा!
ध्रुव का ख्याल सही था-
मोटरबोट का सवार ज्यादा दूर नहीं गया था। नानाचाकु न जाने कितनी सवारियां बदलकर राजनगर तक पहुंचा था-
मुझे आभास हो गया है कि मेरे बाकी दोनों हिस्से अभी यहां तक नहीं पहुंच पाए हैं। और जब तक वे आ नहीं जाते, तब तक मैं अपना काम आगे बढ़ा नहीं ...
रामपाल! समुद्र तट की तरफ से कोई अजीबो-गरीब आदमी आ रहा है!
जरूर स्मगलर होगा! ऐसे लोगों को पकड़ने के लिए ही तो हमारी ड्यूटी समुद्र तट के पास लगाई जाती है!
आगे बढ़ता नानाचाकु ठिठककर रुक गया-
दो परछाइयां उसका रास्ता रोके खड़ी थीं-

इतनी रात को कहां से आ रहे हो?
तुमने ये अजीब-सी पोशाक क्यों पहन रखी है?
कौन हो तुम?
मेरा रास्ता छोड़ दो! मुझे जाने दो!
रामपाल! मैं इसको कवर करता हूं। तू इसकी तलाशी ले!
रामपाल आगे बढ़ा—
और एक हल्के-से झापड़ से, वापस अपनी जगह पर आ गिरा—
चटाक
अगले ही पल बंदूकें तन गईं।
और शोले हवा में उड़ने लगे—
सिर्फ हवा में—
और उसके बाद-दोनों पुलिसवालों को कुछ याद नहीं रहा—
उनके शरीर हवा में लटक गए। पांव हवा में झूलने लगे—
और तिल-तिल करके उनकी जान बाहर निकलने लगी—
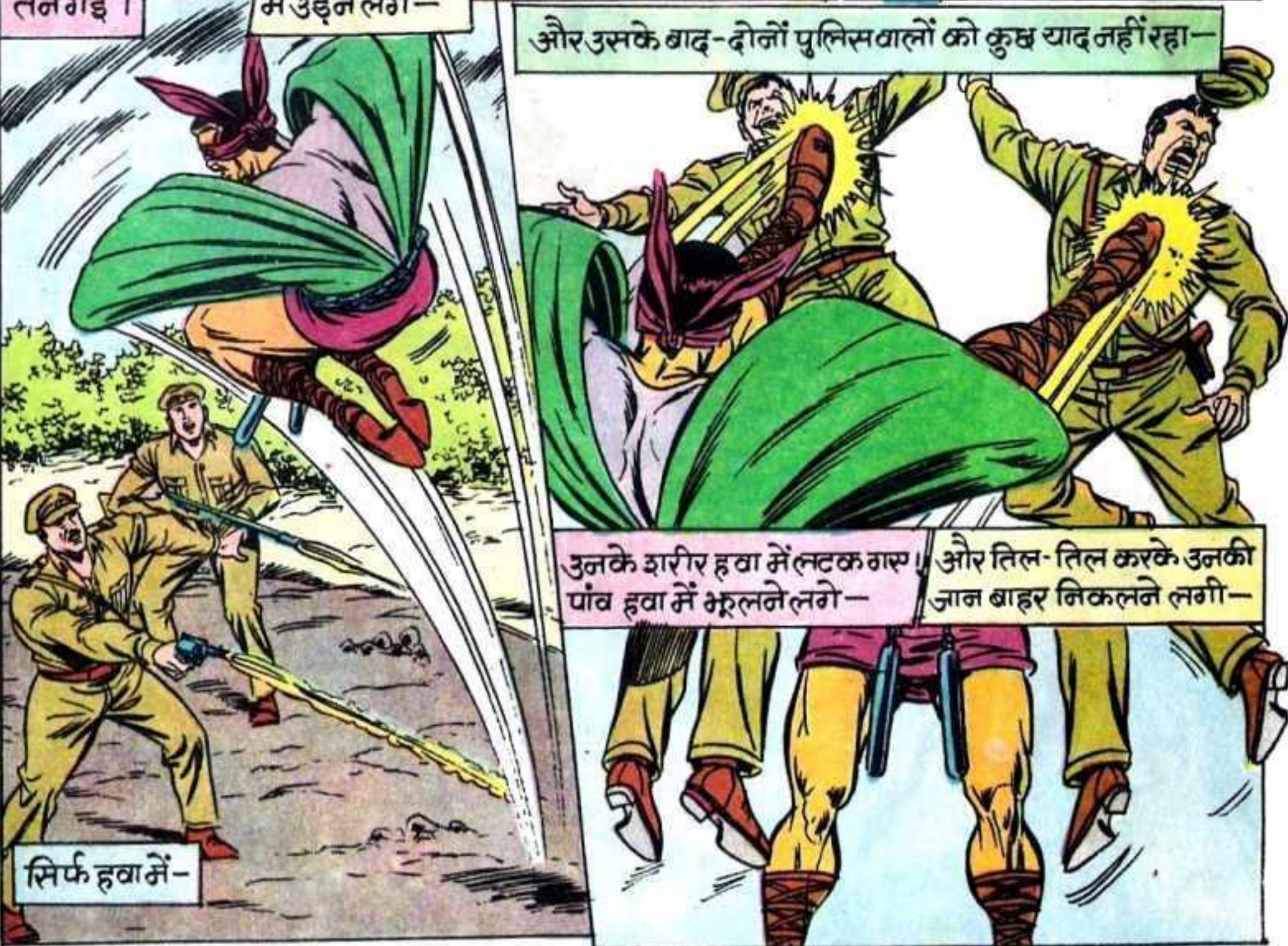
लेकिन जान बाहर नहीं निकल पाई—
जरूर यही आदमी मोटरबोट में राजनगर आया है। और यह पुलिस वालों पर हमला कर रहा है। यानी इसके इरादे नेक नहीं हैं।
धाड़.
सुपर कमांडो ध्रुव! इससे इतनी जल्दी मुलाकात हो गई!
अच्छा हुआ! इस मुसीबत को यहीं खत्म करने का मौका मिल गया!
नानाचाकू के शरीर पर कब्जा करने का एक कारण इस लड़के को नानाचाकू के हाथों रास्ते से हटाना भी है।
नानाचाकू के दिमाग पर जिस शैतानी ताकत का अधिकार था वह ध्रुव को पहचानती थी—
और वह ध्रुव की जानी दुश्मन थी—
ध्रुव को कुछ पूछने तक का मौका नहीं मिला—
यह ध्रुव की फुर्ती ही थी, कि वार उसको पूरी तरह से नहीं लग पाया—
कड़क!
वर्ना उसकी गर्दन टूटकर झूल गई होती—
उस पोल की तरह—
ओह। इसके एक ही वार ने पोल को टेढ़ा कर डाला! यह मामूली फाइटर नहीं है!
बचने की एक ही सूरत है... कि पहला वार मैं करूं।

लेकिन पहला ही वार...
..बेकार चला गया—
धड़ाक!
ध्रुव के हाथ में बेल्ट में रखे हुए स्टार आ गए—
और नानाचाकु के लबादे में कई छेद हो गए।
ओह! यह अपने कंधे पर लगे कपड़ों का इस्तेमाल पैराशूट की तरह कर रहा है। और उनकी मदद से यह ग्लाइडर की तरह हवा में तैर सकता है।
सबसे पहले इसकी इसी ताकत को खत्म करना होगा!
अब नानाचाकु हवा में तैर नहीं सकता था।
ध्रुव ने नानाचाकु की एक ताकत को खत्म कर दिया था।
लेकिन इसने नानाचाकु को दूसरी ताकत दिखाने पर मजबूर कर दिया—

नान-चाकु !
यह ज़बरदस्त खतरनाक हथियार होता है ! इसका एक भी वार शरीर की किसी भी हड्डी को तोड़ सकता है।
और अगर यह खोपड़ी पर पड़ जाए, तो खोपड़ी को बताशे की तरह तोड़ देगा !
लेकिन मेरे जुपिटर सर्कस के गुरु जुबिस्को ने मुझे इसकी एक काट बताई थी-और यह मैं आज तक नहीं भूला !
और वह काट यह है कि नान चाकु को अपना वार करने दो...
और एन टाइम पर उसके रास्ते से अलग हट जाओ !
उसके बाद का काम आसान...
ध्रुव का सारा ध्यान नान-चाकु पर था-
नानचाकु पर नहीं !
एक भीषण वार से उसकी आंखों के सामने सारा ब्रह्मांड नाच गया-
तड़ाक !
उसमें खड़े हो सकने की भी ताकत नहीं बची।
और अपनी जीत पर एक अट्टहास गूंज उठा-
हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा
यह... यह... आवाज तो...
चंडकाल की है।

हां, मेरे जानी दुश्मन। और इस बार मैंने इस नानाचाकु के शरीर पर कब्जा किया है!
और यह जूडो-कराटे का विशेषज्ञ, एक भरपूर वार से स्टील की मोटी प्लेट में भी छेद कर सकता है।
तेरी छाती में तो इसकी एक उंगली ही छेद कर देगी!
लेकिन तुम्हारा मानसरूप तो खत्म हो गया था!
महामानव ने तुमको खत्म कर दिया था!
मानसरूप कभी खत्म नहीं होता, लड़के! मेरा मानस रूप मरा नहीं था। कण-कण होकर बिखर गया था।
वे कण धीरे-धीरे जुड़कर तीन अलग-अलग स्थानों पर इकट्ठे हो गए थे।
एक मानस रूप में मेरी चालाकी और मेरी ताकत थी। और मानस रूप के उसी हिस्से ने नानाचाकु के शरीर पर कब्जा किया है!
मेरे मानस रूप के बाकी दोनों हिस्से भी अब राजनगर पहुंचते ही होंगे!
और जब मेरे मानसरूप के तीनों हिस्से यहां इकट्ठे हो जाएंगे तब शुरू होगा मेरा महाअभियान!
अपने शरीर और मस्तिष्क के साथ, अपने पूरे मानसरूप को जोड़ने का।
तुझे यह सब बताने में मुझे कोई हिचक इसलिए नहीं हो रही है...
...क्योंकि अब तू किसी भी हालत में जिन्दा नहीं बच सकता!
धम्म्म
ओह! इसके एक घूंसे ने सड़क में गहरा छेद कर दिया!

एक जोरदार टक्कर से नानाचाकु अपना संतुलन खोकर, खुले मेनहोल में जा गिरा!

खबर सचमुच गंभीर थी—
कैप्टेन! तुम कहां थे? हम तुमको काफी देर से कांटेक्ट करने की कोशिश कर रहे हैं!
क्या बात है, करीम? तुम इतने परेशान क्यों लग रहे हो? क्या हुआ?
राजनगर की पूर्वी सीमा से एक जलजला शहर में घुस आया है। पुलिस भी उसे रोकने में नाकामयाब रही है!
कैसा जलजला, करीम?
एक लड़की है! उसके लंबे-लंबे दांत हैं। और उसकी आंख में पुतलियां हैं ही नहीं!
उस पर किसी भी हथियार का कोई असर नहीं हो रहा है!
चंडकाल के मानस रूप का दूसरा हिस्सा! यह जरूर वही होगी!
अब धनंजय के पास जाने का समय नहीं है। वर्ना उस दौरान वह लड़की आधा राजनगर तबाह कर देगी!
वैसे भी, अगर मैं उस लड़की को रोक लूं, तो चंडकाल के तीनों मानस हिस्से एक जगह इकट्ठे नहीं हो पाएंगे!
और उसका महा-अभियान फेल हो जाएगा!
क्या बात है कैप्टेन? तुम चुप क्यों हो गए?
करीम, तुम मेरी मोटरसाइकिल लेकर मुझे होटल सेन्टार के चौराहे पर मिलो! जल्दी!
डन, कैप्टेन! सात मिनट में मैं तुमको वहां पर मिलता हूं।
लेकिन इन सात मिनटों में तो राजनगर का नक्शा ही बदल जाना था—
ओह! हमारी गोलियां इससे टकराकर उछल रही हैं।
आह!
'अल-किल' तबाही का तूफान लेकर आगे बढ़ रही थी।

पीछे हटो ! हम इसको ऐसे रोक नहीं सकते हैं !
बेकार में जान गंवाने से कोई फायदा नहीं है !
धड़ाम
'अल-किल' का रास्ता साफ होने लगा था —
लेकिन उसके दिमाग में बैठा, चंडकाल का दूसरा मानस-भाग परेशान ही था—
मुझे यहां पर पहुंचने में देर हो गई है।
मेरा पहला मानस भाग, टोकियो से यहां पर पहुंच चुका है ! मुझे उसका आभास हो रहा है !
इस लड़की को भी मैं चुपचाप राजनगर तक लाना चाहता था ! लेकिन लगता है कि पुलिस को किसी तरह से खबर लग ही गई !
लेकिन अल-किल तो हवाई जहाज से आ रही थी। आखिर वह जहाज गया कहां?
और इसे यहां तक पहुंचने में देर क्यों लगी?
सब सवालों का जवाब मिलेगा ! जरूर मिलेगा ! सिर्फ थोड़ा-सा वक्त और !
अभी तो पूरा माहौल दहकने वाला है ! क्योंकि घटनास्थल पर आ पहुंची है...
चंडिका—
इस मुसीबत को ध्रुव भइया के अलावा और कोई नहीं रोक सकता ! लेकिन अभी तक करीम का उससे संपर्क नहीं हो पाया था !
धड़
उसके आने तक मुझे इसे रोकना होगा ! और इससे इस तबाही का कारण भी जानना होगा !
गोलियां और गोले इसके 'अदृश्य कवच' के पार नहीं जा पा रहे हैं !
तो मेरे नाजुक लात-घूंसे किस गिनती में हैं? फिर भी मैं इसको वहां तो नहीं जाने दूंगी, जहां पर यह जाना चाहती है !
तड़
आह ! तेरी यह हिम्मत, लड़की ! कि तू मेरे पास आकर मुझ पर वार करे !

☆ लोरी के बारे में जानने के लिए पढ़ें- 'वैम्पायर'

जिन शक्तियों की तू साधना करता है, उन शक्तियों की मैं भी साधना करती हूं...
... फर्क सिर्फ इतना है कि तू उन शक्तियों का प्रयोग दुष्टता के लिए करता है, और मैं भलाई के लिए!
तुम इसको आदमी की तरह क्यों संबोधित कर रही हो?
क्योंकि यह लड़की निर्दोष है। दोष उस शैतानी मानस रूप का है, जिसने इसके दिमाग पर कब्जा किया हुआ है!
और वह मानस रूप एक शैतान आदमी का है!
शैतान 'आदमी' का! हाहाहा! बस, तू यही एक गल्ती कर गई लड़की!
मैं आदमी ही तो नहीं हूं!
अभी मेरी शक्ति सिर्फ एक-तिहाई है। इसीलिए तू मेरा सामना कर पा रही है!
लेकिन तू अल-किल के बमों की झड़ी का सामना नहीं कर सकेगी!
लोरी, बचो!
बचने की जरूरत नहीं है, चंडिका!
मेरी 'मानसिक ऊर्जा' इन धमाकों को आराम से ढक लेगी!
अल-किल के दांत भिंच गए।
और इस बार उसकी उंगली ट्रिगर पर दबती चली गई—

गोलियों को धकाना चंडिका को तो अच्छी तरह आता था—
लेकिन लोरी को इसका कोई अनुभव नहीं था !
मगर, लोरी की किस्मत में अभी मौत भी नहीं लिखी थी—
ध्रुव !
छोटी-छोटी गोलियों की बौछार को मानसिक किरणों से पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था !
ओह ! यानी तू नानाचाकु से मिल चुका है ! और फिर भी बचकर आ गया !
तुम !
हां, मैं, चंडकाल !
तू... तू... मेरे बारे में जान गया। पर कैसे ?
नानाचाकु से !
शायद तेरी मौत 'अल-किल' के हाथों ही लिखी थी !
तुम जानते ही हो चंडकाल, कि तुम्हारी ये कोशिश बेकार जाएगी !
क्योंकि गोली और बमों को धकाना मुझे अच्छी तरह से आता है !
इस बार नहीं, लड़के ! इस बार नहीं !
इस बंदूक की में अपनी जादुई शक्ति दे रहा हूं !
अब इसकी नाल तुझ पर 'फिक्स' हो चुकी है।
पेंट शॉप
तू जिधर भी जाएगा, जिधर भी आएगा, जिधर भी उछलेगा, ये नाल भी उधर ही अपने आप मुड़ जाएगी !

बच सकता है, तो बच ले, सुपर कमांडो ध्रुव!
ओह! सचमुच! बंदूक की नाल तो मेरे साथ ही साथ दिशा बदल रही है!
पेंट शॉप
तड़ तड़ तड़ तड़
गोलियां एकदम मेरे करीब से निकल रही हैं! जल्दी ही कोई न कोई गोली अपना निशाना ढूंढ़ ही लेगी!
बचना संभव नहीं है। पलट कर वार करना ही होगा!
चंडिका की फुर्ती और लोरी की शक्तियां भी मेरी कोई मदद नहीं कर पाएंगी!
ये गोलियां मेरा पीछा नहीं छोड़ रही हैं। इसी कमजोरी को अपनी ताकत बनाना होगा!
इससे पहले कि अल-किल के दिमाग में बैठा चंडकाल कुछ समझ पाता—
ध्रुव हवा में उछल कर उसके पीछे पहुंच चुका था—
और गोलियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा था—
चाहे उनको अपना रास्ता, अल-किल का कंधा चीरकर बनाना पड़े—
आऽऽऽह!
एक ही जादुई शक्ति प्राप्त होने के कारण, गोली ने अल-किल का अदृश्य कवच चीर डाला था—
अल-किल का हाथ अब बंदूक चलाने के काबिल नहीं रह गया था-
ओह! मुझ पर एक ही चीज असर कर सकती थी! मेरी ही जादुई गोलियां। और वही हुआ!
तू एक बाजी जीत गया, लड़के!
लेकिन फिर भी तू मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकता!
अगर मैं इस लड़की को बेहोश कर दूं, तो तेरा मानस रूप भी इससे कुछ नहीं करवा पाएगा! और वह मेरी पूरी जीत होगी!

क्योंकि यहां पर तेरे करीब ऐसा कोई नहीं है, जिसके दिमाग पर तू कब्जा कर सके !
लोरी और चंडिका की इच्छाशक्ति भी मेरे जैसी ही तेज है।
तेरे कवच से अल-किल को बाहर निकालेगा, यह स्प्रे पेंट !
जो मैंने गिरते वक्त, पेंट की उस दुकान से उठा लिया था !
PAINTS
तू अल-किल को कभी बेहोश नहीं कर पाएगा ! यह मेरे जादुई कवच में सुरक्षित है।
तेरा कोई भी वार इस तक नहीं पहुंच पाएगा !
मेरे पास हर मुसीबत की काट रहती है, चंडकाल
··जब तक वह अदृश्य कवच से बाहर नहीं आ जाती !
स्प्रे की फुहार, अदृश्य कवच पर जमा होनी शुरू हो गई !
PORTABLE SPRAY
और कुछ ही पलों में पूरा कवच पेंट से ढक चुका था—
अल-किल को अब कुछ दिखाई नहीं पड़ सकता था, तब तक···
चंडिका को इसी पल का बेसब्री से इंतजार था —
तड़ाक
एक ही वार में, अल-किल होश खो बैठी—

वा ऽ ऽ ह ! आखिरकार चंडकाल को हमने रोक ही लिया ! अब चंडकाल के तीनों मानस भाग एक जगह इकट्ठे नहीं हो पाएंगे !
लेकिन लोरी...
अरे ! यानी तुम भी लोरी को जानते हो, ध्रुव ! और यह मुझे जानती है...
फिर मैं इसे क्यों नहीं जानती ?
ध्रुव ने शीघ्रता से चंडिका को लोरी के बारे में सब कुछ बता दिया।
अब बताओ, लोरी कि तुम इस चक्कर में कैसे फंस गईं ?
चक्कर तब शुरू हुआ ध्रुव, जब मैं कुछ ठंडी हवा खाने रात के वक्त किले से बाहर निकली !...
एक हवाई जहाज की घरघराहट ने मेरे ध्यान को तुरन्त खींच लिया !
हवाई जहाज मामूली सा था ! लेकिन उसके अंदर से एक भीषण शैतानी ताकत के कंपन मुझ तक पहुंच रहे थे—
कड़ाक
और प्लेन एक कर्णभेदी धमाके के साथ रेतीली जमीन पर आ गिरा—
मैं समझी कि शैतानी ताकत नष्ट हो गई है। लेकिन तभी प्लेन के मलबे से यही लड़की बाहर निकली—
अपने अदृश्य कवच में सुरक्षित!
बगैर कुछ सोचे, मेरा मस्तिष्क उस प्लेन पर केंद्रित हो गया!
मेरी मानसिक किरण ने उस प्लेन को अपंग कर दिया—
मैंने उसको मानसिक ऊर्जा के बंधन में जकड़ना चाहा-
लेकिन वह बंधन इसको जकड़ नहीं सका।
तभी मुझको आभास हुआ कि यह लड़की दुष्ट नहीं है।
इसके मस्तिष्क पर किसी दुष्ट आत्मा ने कब्जा किया हुआ है। यह सोचकर मैं पलभर को रुक गई।
लेकिन यह लड़की नहीं रुकी-
मुझे चोट तो ज्यादा नहीं लगी—

लेकिन मैं होश खो बैठी ! मुझे होश आने तक यह भाग चुकी थी ।
अपनी मानसिक तरंगों से मैंने इसका पीछा किया। और यहां तक आ पहुंची।
खैर ! अभी तुम दोनों इस पर नज़र रखो ! किसी को भी इसके पास मत आने देना !
तब तक मैं धनंजय को लेकर आता हूं। वह इसे पकड़कर रखने का कोई न कोई उपाय जरूर निकाल लेगा।
लेकिन तभी—
नानाचाकु ! यानी चंडकाल का पहला मानस भाग !
हां, लड़के ! तूने मुझे गटर में गिराकर मुझ पर बहुत बड़ा एहसान किया है। मैं अपने दूसरे मानस भाग, यानी अलकिल को ढूंढ़ता हुआ गटर-गटर के रास्ते ही चुपचाप यहां पहुंच गया !
वर्ना मुझे यहां तक पहुंचने के लिए न जाने कितनी रुकावटों का सामना करना पड़ता!
और उसके बाद...
चंडकाल वापस आएगा !
अब मेरे दो मानस भाग मिल-कर एक हो जाएंगे !
अब मुझे सिर्फ अपने तीसरे मानस हिस्से का इंतजार है!

ओफ्! इस संभावना पर तो मैंने ध्यान ही नहीं दिया था!
नानाचाकु अब गटर की सुरंगों से होता हुआ कहीं पर भी पहुंच सकता है!
लेकिन वह अभी जाएगा कहां?
कहीं भी जाए! लेकिन अभी सबसे महत्वपूर्ण काम है, धनंजय को इस घटना से अवगत कराना!
करीम, कैप्टेन हियर! ध्यान से सुनो! मुझे कुछ चीजें तुरन्त चाहिए! नोट करो...
बोलो कैप्टेन!
और लगभग पन्द्रह मिनट बाद—
नानाचाकु के शरीर में बैठा चंडकाल चाहे इस वक्त कहीं पर भी हो, लेकिन आखिरकार आएगा यहीं पर! क्योंकि 'स्वर्णनगरी' तक जाने का रास्ता यहीं से है।
तुमलोग यहां पर रुककर नजर रखो!
और अगर नानाचाकु नजर आ जाए, तो उसे रोकने की कोशिश करना! वैसे मैं धनंजय को लेकर अभी...
वापस आता... नानाचाकु!
नानाचाकु पहले ही उस जगह पर पहुंच चुका था—
छप छप
लेकिन वह स्वर्ण नगरी की तरफ नहीं बढ़ रहा था।
ध्रुव तेजी से नानाचाकु की तरफ बढ़ा—

लेकिन एक धमाके ने उसको बीच में ही रोक दिया–
बड़ाम
चंडकाल का तीसरा मानस भाग, यानि डाइ विल घटनास्थल पर पहुंच चुका था–
बड़ाम
सुपर कमांडो ध्रुव! तू अब मेरे तीनों मानस भागों को मिलने से रोक नहीं पाएगा!
नानाचाकु के बोलने से ये साफ हो गया कि इस बैटल शिप में चंडकाल का तीसरा मानस भाग है। और यह मुझे नानाचाकु तक पहुंचने से रोकने के लिए 'डेप्थ चार्ज' बमों का इस्तेमाल कर रहा है।
लेकिन ये बम बीस मीटर की गहराई तक ही असर करते हैं। यानी मैं समुद्र के और अंदर जाकर नानाचाकु का पीछा कर सकता हूं।
ध्रुव ने नानाचाकु को बैटल शिप के ठीक पहले ही धर दबोचा–

ओह! तू अपनी मौत को बुलाने से बाज नहीं आएगा!
वैसे तो मैं इस समय तुझे अपने एक ही मांत्रिक वार से खत्म कर सकता हूं।...
लेकिन अभी मेरा मुकाबला स्वर्ण नगरी के देवों से होना है! इसीलिए मैं अपनी सारी शक्तियां बचाकर रखना चाहता हूं।
वैसे भी, नानाचाकु की शारीरिक शक्ति ही तेरी खोपड़ी का चूरा बना देने को काफी है!
धड़ दचाक
नानाचाकु के घातक हाथ, 'बैटल शिप' की स्टील की चादरों में छेद करते जा रहे थे।
और ध्रुव के सामने चंडकाल की असलियत भी खुल रही थी।
यह साफ झूठ बोल रहा है। अगर यह मुझे मांत्रिक शक्तियों से खत्म कर सकता, तो कब का कर चुका होता!
इसकी सारी घातक मांत्रिक शक्तियां इसके तीसरे मानस भाग के पास हैं! और वह मानस भाग अभी बैटल शिप पर है!
इसको तो मैं पानी पिला-पिला-कर मारूंगा!
डाइविल, यानी चंडकाल का तीसरा मानस भाग बेचैन था—
कहां गया? कहां गया! वह नानाचाकु? अब मेरे पास वक्त नहीं है! मुझे अपने शरीर के पास जल्दी से जल्दी पहुंचना है!
अब इससे पहले कि कोई...
...गड़बड़ हो...? आह!
धांय
लेकिन गड़बड़ तो शुरू हो चुकी थी।

☆ चंडकाल के तीनों मानस भागों का आपस में संपर्क है। इसीलिए तीसरा मानस भाग भी लोरी के विषय में जानता है।

अब तेरी वो पिटाई होगी, कि तू अपनी पिछली सारी पिटाइयां भूल जाएगा!
धाड़.
रुक जा लड़की! वर्ना मैं इस 'न्यूक्लियर-मिसाइल लांचर' का बटन दबा दूंगा!
अरे, जा! धमकी देना किसी और को! इसको दबाएगा तो तू भी खत्म हो जाएगा, और वह नानाचाकु भी!
फिर तू... अरे! अरे! शिप टेढ़ी क्यों हो रही है?
कारण साफ था—
नानाचाकु के द्वारा किए गए छेदों से पानी तेजी से शिप के अंदर भर रहा था।
गड़ गड़ गड़
बैटलशिप, डूब रही थी।
कुछ पलों में सारा पानी झाग से भर गया।
कुछ भी सुझाई नहीं दे रहा था!
और इन्हीं कुछ पलों के दौरान...
...चंडकाल को वह मौका मिल गया, जिसकी उसे बेसब्री से तलाश थी।
नानाचाकु अब डाइविल के इतना पास आ चुका था...
..कि दोनों मानस हिस्से आपस में एक हो सकें—
अब चंडकाल का पूरा मानस रूप डाइविल के शरीर में था—

धीरे-धीरे झाग शांत हुआ-
और स्थिति तेजी से साफ होने लगी-
यह तो नानाचाकु है! और इसके चेहरे पर पहले जैसी छाई हुई शैतानियत एकदम गायब है! यानी... यानी...
हां, लड़के! यानी चंडकाल कामयाब हो गया है। नानाचाकु के शरीर वाले, मेरे दोनों मानस भाग अब इस डाइविल के शरीर में आ चुके हैं! मेरा मानस रूप संपूर्ण हो गया है!
अब मुझे अपने महा अभियान का आखिरी चरण पूरा करना है! जिसके लिए मैंने इस गोताखोर डाइविल के शरीर पर कब्जा किया है!
और वह है गोता लगाकर, स्वर्ण नगरी तक पहुंचना!
ओह! तुमलोग नानाचाकु को लेकर किनारे की तरफ चलो! मैं इस शैतान को रोकता हूं!
इस 'ब्रह्म-षटकोण' को अपने शरीर से चिपका लो, ध्रुव! यह कम से कम थोड़ी देर तक चंडकाल के मांत्रिक वारों को रोक लेगा!
ठीक है, लोरी! तुम लोग चलो!
सावधानी से जाना, ध्रुव!
कुछ ही पलों बाद- ध्रुव डाइविल के पीछे था-
यह लड़का तो मेरा पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है!
और यह काफी तेजी से मेरे पीछे आ रहा है!
ऐसे तो यह मुझसे पहले स्वर्ण नगरी पहुंच जाएगा!
और ऐसा होने से मेरा सारा प्लान बिगड़ जाएगा!
डाइविल ने हाथ उठाया-
और सारा पानी उबल उठा!

लेकिन चूंकि यह मंत्र का असर था, इसीलिए 'ब्रह्म-षटकोण' ने ध्रुव पर इसका प्रभाव नहीं होने दिया—
पर 'ब्रह्म-षटकोण' के ऊपर धीरे-धीरे जोर पड़ रहा था—
और ध्रुव धीरे-धीरे, डाइविल के और पास आता जा रहा था।
स्वर्ण नगरी भी अब ज्यादा दूर नहीं थी।
खौलता पानी इस पर असर नहीं डाल पा रहा है! अपनी शक्तियों को बढ़ाना होगा!
मैं इस पानी को ऐसे एसिड में बदल देता हूं, जो पत्थर को भी पलभर में गला सकता है!
ध्रुव के चारों तरफ का पानी, एक तेज एसिड में परिवर्तित हो गया।
संपर्क में आई मछलियों के शरीर पलक झपकते गल गए।
ओह! इस 'यंत्र' पर जोर पड़ रहा है! यह चंडकाल की शक्तियों को और ज्यादा सहन नहीं कर पाएगा!
इससे पहले कि मेरा यह कवच टूट जाए...
...मुझे चंडकाल को बेबस करना होगा!
और चंडकाल को बेबस करने का सीधा रास्ता है, इस गोताखोर को बेबस कर देना!
डाइविल के बेबस होते ही, चंडकाल का जादू टूट गया—
और एसिड, वापस पानी में परिवर्तित हो गया।
एक कड़कड़ाहट के साथ ब्रह्म-षटकोण टूट गया—
साथ ही साथ डाइविल का भी दम घुटने लगा—
उसके दिमाग पर बेहोशी छाने लगी—

चंडकाल बौखला उठा —
यह बेहोश हो रहा है। और साथ ही साथ मेरी शक्तियां भी क्षीण हो रही हैं।
मैं इसको अदृश्य कवच भी नहीं पहना पा रहा हूं!
अब एक ही रास्ता है! मुझे अपनी सारी की सारी शक्तियों का हर कतरा समेटना होगा!
और अगर मैं अपने शरीर के पास नहीं जा पा रहा हूं!
... तो मुझे... अपने शरीर को यहां पर बुलाना होगा!
चंडकाल के मानसरूप ने अपनी शक्ति की हर बूंद समेटी-
और उसकी आंखें दहक उठीं—
और 'स्वर्णनगरी' के वासियों ने एक भयानक दृश्य देखा—
चंडकाल का शरीर, सोने की दीवारों को, ताश के पत्तों की तरह ढहाता हुआ —
अपनी मंजिल की तरफ बढ़ चला—

Printed at: Japan Art Press